एथनाल उत्पादन पर जोर

वैश्विक बाजार में चीनी आपूर्ति घटी, 75 लाख टन निर्यात का अनुमान

सुरेंद्र प्रसाद सिंह • नई दिल्ली

तेल में तेजी के बाद

- एथनाल उत्पादन बढ़ाने पर चीनी मिलों और तेल कंपनियों के बीच विचार-विमर्श शुरू
- भारत में चालू सीजन में कुल 300 करोड़ लीटर एथनाल आपूर्ति का लक्ष्य

यूक्रेन-रूस के बीच छिड़े युद्ध और उससे उपजे हालात से क्रूड (कच्चे तेल) का दाम 118 डालर प्रति बैरल के पार चला गया है। इसे देखते हुए मिलें चीनी की जगह एथनाल उत्पादन को प्राथमिकता देने लगी हैं। वैश्विक स्तर पर एथनाल का उत्पादन बढ़ने से चीनी आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे ग्लोबल बाजार में चीनी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए घरेलू चीनी कंपनियां चीनी निर्यात के सौदा पक्का करने में तत्परता दिखा रही हैं। दूसरी तरफ ये कंपनियां एथनाल उत्पादन पर भी जोर दे रही हैं। चीनी मिलों और तेल कंपनियों के बीच एथनाल उत्पादन को लेकर विचार-विमर्श शुरू हो गया है।

केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने बताया कि वैश्विक स्तर पर चीनी की आपूर्ति कम होने का फायदा घरेलू चीनी उद्योग उठा सकता है। चालू सीजन में चीनी निर्यात अब तक का सर्वाधिक 75 लाख टन रहने में एथनाल उत्पादन पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इसे देखते हुए घरेलू एथनाल उत्पादन में भी बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। वैश्विक बाजार में चीनी आपूर्ति कम होने की आशंका से निर्यात मांग बढ़ी है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के महानिदेशक अनिवाश वर्मा का कहना है, घरेलू चीनी मिलें अब तक 60 लाख टन के निर्यात सौदा कर चुकी हैं। फरवरी के अंतिम सप्ताह तक इसमें से 42 लाख टन निर्यात हो भी चुका है। जबकि मार्च में बाकी 12-13 लाख टन चीनी का निर्यात कर लिया जाएगा।

एथनाल को पेट्रोल में मिश्रित कर मिश्रण को उच्च प्राथमिकता देते हुए चीनी उद्योग को कई तरह की सहूलियतें भी दी जा रही हैं। पिछले गन्ना वर्ष 2020-21 के दौरान 21 लाख टन चीनी की जगह एथनाल का उत्पादन किया गया, वहीं चालू गन्ना वर्ष 2021-22 के दौरान इसे बढ़ाकर 34 लाख टन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे भारत में चालू सीजन में कुल 300 करोड़ लीटर एथनाल आपूर्ति का लक्ष्य है। इसमें से महाराष्ट्र ने अकेले 111 करोड़ लीटर सप्लाई की हामी भरी है। एथनाल उत्पादन बढ़ाने को लेकर तेल कंपनियों और चीनी मिलों के बीच भी गंभीर विचार-विमर्श चल